Rare landing of devil ray, *Manta birostris*, at Calicut

ORE
Metadata, citation and similar papers at core.a
ed by CMFRI Digital Repository

length and 594 cm breadth, weighing approximately 1400 kg, was caught by a trawler at Beypore at a depth of 80 m on 18.10.09. This ray is locally called "kotiyad". It was sold for Rs. 4800/-. It belongs to the family Mobulidae. Taxonomi-cally it was identified with the characters such as large pectoral fins and whip-like tails with a small dorsal fin. It has two horn-like fins on their heads called as cephalic fins which are the extension of pectoral fins. As they look like devil horns, the rays are commonly called devil rays. Colour is dark greenish brown superiorly, and white on ventral side. They feed on fish and plankton and propel themselves by flapping the pectoral fins. They are found in tropical and subtropical ocean waters in the Atlantic, Pacific, and Indian oceans. International Union for Conservation of Nature (IUCN) has categorized *M. birostris* as "Near Threatened" species.

(*Reported by: P.P. Manojkumar, Senior Scientist, Calicut RC of CMFRI*)

A rare landing of a devil ray, *Manta birostris*, at Calicut

कालिकट में डेविल रे, *मान्टा बिरोस्ट्रिस* का असाधारण अवतरण

किए गए ... में 542 से.मी. की कुल लंबाई और 594 से.मी. की चौडाई, 1400 कि.ग्रा. का भार वाली मादा डेविल रे, *मान्टा बिरोस्ट्रिस* को पकडा गया। इस रे को स्थानीय रूप से 'कोटियाड' कहा जाता है। अवतरण केंद्र में ही इसे 4800/- रुपए को बेच दिया गया। डेविल रे मोबुलिडे कुडुम्ब के अंदर आता है। वर्गिकी विज्ञान के आधार पर निम्नलिखित विशेषताओं से इसे पहचाना जाता है। इसके बडे अंस पख, चाबुक जैसा पुच्छ और छोटा पृष्ठ पख होते हैं। इसके शीर्ष पर सींग जैसे दो पख होते है जिन्हें शिरस्थ पख कहा जाता है। ये वास्तव में अंस पखों के विस्तृत भाग होते हैं। ये डेविल हॉर्न जैसा दिखाया पडता है और इस लिए इस कुडुम्ब के रे को डेविल रे कहा जाता है। इनका रंग ऊपरि भाग में तीखा हरा और भूरा और अधर भाग सफेद होता है। ये मछलियों को आक्रमण करके और पानी के प्लवकों को खाते हैं और पेक्टोरल फिन हिलाते हुए तैरते हैं। अटलान्टिक, पसफिक और हिंद महासागर के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय समुद्र में इन्हें दिखाया पडता है। इन्टरनाशनल यूनियन फोर कनसर्वेशन ऑफ नैचर (आइ यू सी एन) ने *एम. बिरोस्ट्रिस* को 'नियर थ्रेटेन्ड' जाति के अंदर जोड दिया है।

(*रिपोर्टः पी.पी. मनोज कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सी एम एफ आर आइ कालिकट अनुसंधान केंद्र*)